This question paper contains 3 printed pages.

7117

Your Roll No. ....

M.A. / I

A

BUDDHIST STUDIES— Paper 02

(Pāli and Buddhist Sanskrit, etc.)

(Admissions of 2006 to 2008)

Time : 3 hours *Maximum Marks* : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

NOTE:— *Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.*

टिप्पणी:— *इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।*

Attempt all questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. Give a survey of Mahāyāna Sutra literature.

   महायान-सूत्र साहित्य का सर्वेक्षण कीजिए। 25

   Or (अथवा)

   Present the survey of Sarvāstivāda literature.

   सर्वास्तिवाद साहित्य का सर्वेक्षण प्रस्तुत कीजिए। 25

P. T. O.

2. Write an introduction to Pāli Anu-Piṭaka literature.

पाली अनुपिटक साहित्य का परिचय प्रस्तुत कीजिए। 15

Or (अथवा)

Write an account on the general evaluation of Pāli Poetical literature.

पालि पद्य साहित्य पर एक सामान्य विवरण लिखिए। 15

3. Briefly describe the basic characteristics of *three* 'Piṭakas' and write an introduction to the Khudda-kanikāya.

तीन पिटकों के मूल लक्षणों का संक्षिप्त विवरण देते हुए खुद्दकनिकाय का परिचय दीजिए। 15

Or (अथवा)

Define the term *Piṭaka*. Write an introduction to the Abhidhamma Piṭaka.

पिटक शब्द की परिभाषा देते हुए अभिधम्म पिटक का परिचय दीजिए। 15

4. Attempt any *two* of the following:

(*i*) Write short introduction on Prajnāpāramitā literature.

(*ii*) Write an essay on the classification of the Buddha-vacana in Pāli literature.

(*iii*) Write a note on *Avadāna* literature.

(*iv*) Examine the contribution of Nāgārjuna, Asaṅga, and Vasubandhu in the field of Buddhist logic.

किन्हीं दो का उत्तर दीजिए:

(*i*) 'प्रज्ञापारमिता' साहित्य पर एक लघु टिप्पणी लिखिए।

(*ii*) पालि साहित्य के अनुसार बुद्धवचन के वर्गीकरण पर एक निबन्ध लिखिए।

(*iii*) अवदान साहित्य पर एक नोट लिखिए।

(*iv*) नागार्जुन, असंग और वसुबन्धु का बौद्ध न्याय क्षेत्र में योगदान का परीक्षण कीजिए। 20

*